

परियोजना का नाम :- जनपद पौडी गढ़वाल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत रौली से कुनेथ मोटर मार्ग (5.500 किमी) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रतिवेदन

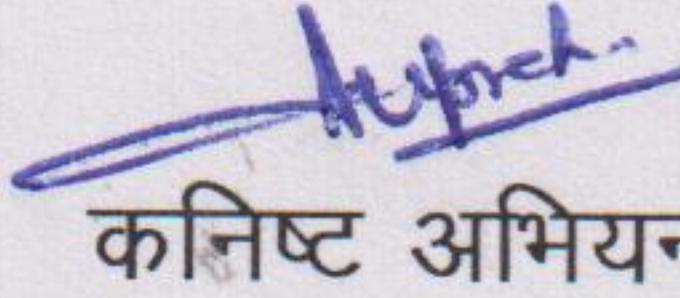
भारत सरकार के ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आय और उत्पादन रोजगार अवसरों के अधिक मात्रा में सृजन एंव स्थायी रूप से गरीबी निवारण करने के उद्देश्य से पर्वतीय क्षेत्र में 250 से अधिक आवादी वाले असंयोजित बसावटों को किसी भी बारहमासी सम्पर्क मार्ग से जोड़ने का कार्यक्रम संचालित किया गया है। उक्त के क्रम में सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्रांक ३१२४ पृष्ठ १५ दिन १३।१२।२०१५ उत्तराखण्ड शासन द्वारा उपरोक्त मोटर मार्ग प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत अनुमोदित किया गया है।

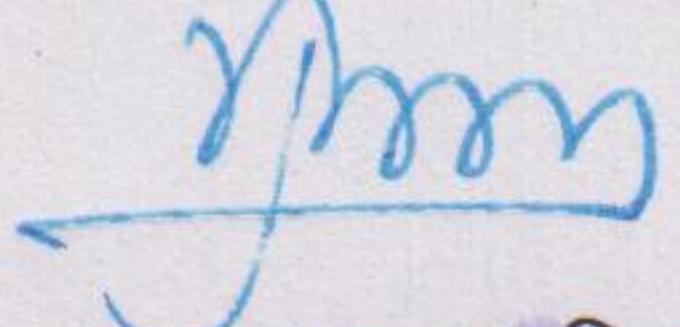
वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार बसावट कुनेथ (CC 644600, H120, Pop.471) की आवादी अभी तक किसी भी मोटर मार्ग से नहीं जुड़ा है। उन्नत कृषि भूमि होने के कारण क्षेत्र की जनता का मुख्य व्यवसाय कृषि एंव पशुपालन है, परन्तु यातायात की सुविधा न होने से कास्तकारों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है साथ ही यातायात के साधन न होने से सरकार द्वारा घोषित विभिन्न विकास कार्य भी क्षेत्र में सुगमता पूर्वक संचालित नहीं हो पाते हैं। अन्य रोजगार के साधन न होने से बेरोजगार युवाओं का शहरों की ओर पलायन हो रहा है। मोटर मार्ग निर्माण हो जाने से जहां युवाओं के लिए नये रोजगार के अवसर स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगे, वहीं सरकार की विकास योजनायें भी सुगमता से संचालित हो सकेंगी।

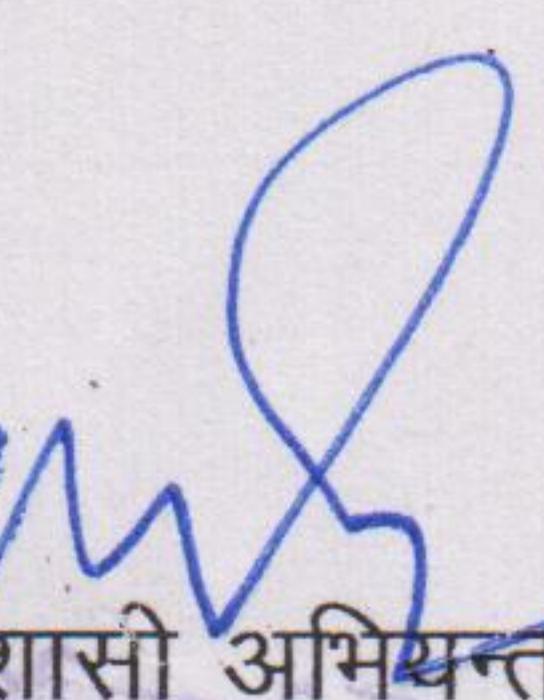
उल्लेखनीय है कि पर्वतीय क्षेत्र में कास्तकारों की नाप भूमि के अतिरिक्त समस्त प्रकार की भूमि को वन भूमि श्रेणी में ले लिया गया है। इस मार्ग के संरेखण में नाप भूमि 0.275 है, सिविल सोयम भूमि 0.324 है एंव आरक्षित वन भूमि 4.351 है, एंव मलवा निस्तारण हेतु सिविल सोयम भूमि 0.293 तथा मलवा निस्तारण हेतु नाप भूमि 0.420 है प्रभावित हो रही है जो न्यूनतम एंव अपरिहार्य है, जिसका भूमि हस्तान्तरित करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्राविधानों के अन्तर्गत प्रस्ताव गठित कर प्रेषित किया जा रहा है।

विस्तृत सर्वेक्षण उपरान्त इस मार्ग के निर्माण हेतु 2 संरेखणों पर विचार किया गया है जिन्हें प्रस्ताव में संलग्न इन्डैक्स मानचित्र में अलग-अलग रंग से दर्शाया गया है।

उक्त को ध्यान में रखते हुए संरेखण नं० 2 को निरस्त कर संरेखण नं० 1 को अनुमोदित किया जाता है। इन दोनों का संरेखणों का भूवैज्ञानिक द्वारा भी निरीक्षण किया गया है एंव उनके द्वारा संरेखण नं०1 को मार्ग निर्माण हेतु तकनिकी, पर्यावरणीय एंव भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त पाया गया है। (प्रतिलिपि संलग्न है) अतः 5.500 किमी० लम्बाई में ग्राम्य विकास विभाग के मानकों के अनुसार ९ मीटर चौड़ाइ में आने वाली आरक्षित वन भूमि 4.351 एंव सिविल सोयम वन भूमि 0.617 है प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना (ग्राम्य विकास विभाग) को हस्तान्तरित करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्राविधानों के अन्तर्गत यह प्रस्ताव गठित कर प्रेषित किया जा रहा है।


कन्ति भुषण
पी०एम०जी०एस०वाई
सिंचाई खण्ड, बैजरौ पौडी गढ़वाल


सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई बैजरौ
सिंचाई खण्ड, बैजरौ पौडी गढ़वाल


अधिक्षासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई
सिंचाई खण्ड, बैजरौ पौडी गढ़वाल